Part - 1

प्रश्न (11.) परिणीता मे संकलित “ बड़की माँ ” शीर्षक कथाक सारांश लिखू ।

उतर - डॉ0 वीणा ठाकुरक लिखित कथा संग्रहमे ‘ बड़की माँ ’ कथा आधुनिक कालक युवा पीढीक सोच केँ प्रतीक अछि । आधुनिक काल मे लोक अविस्वास सँ भरल अछि । ककरो पर कोइ विश्वास नहि करैत अछि । ई समयक बिडम्बना थिक वा युगधर्म ।

पिता पर पुत्रक अविश्वास पिताकेँ पुत्र पर अविश्वास । लोक पलायनवादी भ गेल अछि । घर मे बृधा बाप - माय एसगर भेल , पुत्र अपन पत्नीक संग सहर मे यैस क रहल अॅछि । लोक धर्म , मर्यादा के कोनो चिन्ता नहि । यैह ठीक आधुनिक कालक युगधर्म ।

कथा लेखिका युगधर्मक यथार्थ बिम्ब प्रस्तुत कैल अछि । बड़की माँ के पति डिप्टी इन्सपेक्टर छलथिन । गामक एक अति सम्पन परिवार । आब बड़की माँ बृध विधवा स्त्रीक रुपमे सासुरे मे रहैत छथि । बेटा विकास पतुहक संग सहर मे रहैत अछि । पैघ हवेलि मे एकमात्र बड़की माँ । गाम के ककरो समस्या होइक त बड़की माँ लग तकर यथोचित समाधान । गामक धी बेटीक बियाह भ गेल त सभ अपन घर गृहस्थीमे लागल अछि । पुरूष वर्ग नोकरी क रहल अछि । जन मजदूर सेहो बाहर चलि गेल अछि । , गाम सुन लगैत अछि ।

यैह सब सोचि रहल छलीह बड़की माँ कि पांछा सांत - आठ वर्षक पोता आबि क भरि पाँज क पकड़ि लैत छन्हि । सूर्य देवताकँ देखबैत बड़की माँ

बजलीह - बेटा इ प्रत्यक्ष देव छथि , मुदा लोग उगैत सुर्यक पूजा करैत अछि । अस्त होइत सूर्यक पूजा त किओ नहि करैत अछि । बड़की माँ कनैक उदास भ जाइत अछि । पोता कहैत छन्हि - फेर सूर्यदाय होइत तखन लोक पूजा करत । बड़की माँ दुलार करैत कहलनि - एखन अहाँ । बड़ छोट छी एहन पैघ बात नहि बूझबै । यैह थिक मानव जीवनक यथार्थ । नियति।

पोताक संग गप्प करैत बड़की माँ के नीक लगनि । आंगन आवि खोआक पिरूकिया बनाबय लेल मैदा चाल लगलीह । दादी माँ इ की क रहल छी । काल्हि अहाँ सभ एतयसँ जायब त जाइत काल डिब्बामे पिरूकिया द देव डेरा पर चारि - पाँच दिन खूब मजा से खायब । दादी माँ अहाँ हमरे सभक संग रहू ने संगे चलु । हमरो मन होइत अछि

जे अपन बाल बच्चा संग रही , मुदा ई घर , ई गाम एहि सँ फ्राक भ क हम नहि रहि सकैत अछि । दादी - पोताक ई गप्प विकासक कान धरि गेल त ओ उपरागक स्वरमे बजला- माँ अहाँ सदिखन अपन जिध पर अरल रहैत छी ।

हम कहिके थाकि गेल छी । अहाँ गाम मे एसगर रहैत छी , लोक कि कहैत होइत ? सभ हमरे निन्दा करैत होइत जे बेटा केँ मायक कोनो परबाहि नहि छैक । अरे एहि घरमे की राखल अछि एकरा बेचि क दिल्ली से एकटा फ्लैट ल लेब । विकासक एहि बात पर बड़की माँ केँ बड़ दुख भेलनि ।